Quest Journals
Journal of Research in Humanities and Social Science
Volume 1 ~ Issue 1 (2013) pp: 26-28
ISSN(Online):2321-9467
www.questjournals.org

Research Paper

प्रभावशाली कक्षा शिक्षण के संदर्भ में शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ शुचि मित्तल

विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, एसडी पीजी कॉलेज, मुजफ्फरनगर, यूपी

सारांश

शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा की किसी भी योजना या नवाचार का सफल क्रियान्वयन शिक्षकों पर ही निर्भर करता है। विद्यालय भौतिक संसाधनों से कितना ही परिपूर्ण क्यों न हो यदि शिक्षक के शिक्षकीय कौशल समृद्ध न हों तो सम्पूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम असफल सिद्ध हो जाते हैं। एक प्रशिक्षित शिक्षक नवीन शिक्षण विधियों एवं तकनीकों का उपयोग करके प्रभावशाली कक्षा शिक्षण के द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें सही दिशा प्रदान कर सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों में किन-किन कौशलों का विकास किया जाता है? शिक्षक शिक्षकीय कार्य के दौरान इनका उचित उपयोग करते हैं या नहीं यह जानने के लिए प्रस्तुत अध्ययन किया गया। शोध निष्कर्षों के अनुसार प्रशिक्षित शिक्षकों का कक्षा अध्यापन अप्रशिक्षित शिक्षकों के कक्षा अध्यापन से अधिक प्रभावशाली पाया गया।

प्रस्तावना (Introduction) -

अध्यापन की प्रभावशीलता का पता अध्यापक के कक्षागत व्यवहार से लगता है, उसके सामान्य मानवीय व्यक्तित्व की विशेषताएँ उसकी व्यावसायिक सफलता या असफलता को निसंदेह प्रभावित करती हैं। परंतु इसमें मुख्य प्रभाव इस बात का होता है कि वह कक्षा में क्या-क्या क्रियाएँ करता है? क्या-क्या बोलता है? कैसे करता है? किन-किन वस्तुओं या सामग्रियों की सहायता से या कैसे मौखिक रूप से वह पाठ्य सामग्री का अपने विद्यार्थियों तक सम्प्रेषण करता है? अध्यापन की प्रभाविता और अधिगम की गहनता उसकी तैयारी पर निर्भर करती है।

प्रत्येक अध्यापक के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। अप्रशिक्षित अध्यापक की तुलना में प्रशिक्षित अध्यापक अधिक प्रभावी सिद्ध होते हैं। सूचनाओं को प्रभावी ढंग से छात्रों तक प्रेषण कई कौशलों पर निर्भर करता है जैसे प्रश्न पूछने का कौशल, स्पष्टीकरण, प्रदर्शन एवं व्याख्या। विषय वस्तु का व्यवस्थापन एवं उनके तर्कपूर्ण श्रृंखलाबद्ध प्रस्तुतीकरण के लिए संचार कौशल की आवश्यकता होती है।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the study) -

प्रस्तुत लघु शोध हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्धारण किया गया है -

1. कक्षा शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता का अध्ययन करना।
2. प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित शिक्षकों में प्रशिक्षण की सार्थकता का अध्ययन करना।
3. गृह विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों में प्रशिक्षण की सार्थकता का अध्ययन करना।
4. महिला एवं पुरुष शिक्षकों में प्रशिक्षण की सार्थकता का अध्ययन करना।
5. शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के शिक्षकों में प्रशिक्षण की सार्थकता का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) -

चयनित शोध निम्नलिखित परिकल्पनाओं पर आधारित है -

1. अप्रशिक्षित एवं प्रशिक्षित शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. गृह विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।
3. महिला एवं पुरुष शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।
4. शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।

परिसीमन (Delimitations of the study)

अध्ययन की व्यापकता, उपलब्धता संसाधन एवं समयाभाव को देखते हुए शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु शोध में अध्ययन की सीमा का निम्न बिन्दुओं में परिसीमन किया गया है।

क्षेत्र - मुज़फ्फरनगर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय

स्तर - उच्च माध्यमिक स्तर

संकाय - गृह विज्ञान एवं कला संकाय

शोध प्रक्रिया (Research Process) - सर्वेक्षण विधि

न्यादर्श (Sample)

इस अध्ययन हेतु मुज़फ्फरनगर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन उद्देश्यात्मक न्यादर्श चयन विधि से किया गया। इन शालाओं के 100 शिक्षकों (महिला एवं पुरुष) का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि से किया गया।

उपकरण (Tools) -

इस शोध अध्ययन हेतु निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया – Classroom observation scale adapted by CTCS Classroom teaching competence scale amfuthaf - मर्मर मुखोपाध्याय, प्रकाशन – National University of Educational planning Management &Administration.

सांख्यिकीय विश्लेशण (Statistical Operations) –

परिकल्पना क्रमांक – 01 प्रशिक्षित व अप्रशिक्षित शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।

सारणी क्रमांक - 01

समूह	df	N	M	Sd	t	0.1 सार्थकता पर सारणीयनमान
प्रशिक्षित		66	29.66	3.197	3.765	
अप्रशिक्षित	98	34	19.82	3.729		2.59

व्याख्या – उक्त मापों के आधार पर ज्ञात t का मान 3.765 है, जो 01 सार्थकता स्तर के सारणीमान 2 59 से अधिक है। अतः दोनों समूहों के मध्य दिखाई पड़ने वाला अंतर सार्थक है। अतः परिकल्पना-01 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 02 गृह विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा शिक्षण के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।

समूह	df	N	M	Sd	t	0.1 सार्थकता पर सारणीयनमान
गृह विज्ञान		77	29.45	5.59		
कला	98	23	25.86	6.45	0.696	2.59

व्याख्या - उक्त मापों के आधार पर ज्ञात किया गया t का मान 0.696 है, जो 01 सार्थकता स्तर के सारणीमान 2.59 से कम है। अतः दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना-02 स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 03- महिला एवं पुरुष शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं होगा।

सारणी क्रमांक - 03

समूह	df	N	M	Sd	t	0.1 सार्थकता पर सारणीयनमान
पुरुष		37	27.432	4.86	0.104	
महिला	98	63	25.666	6.174		2.59

उक्त मापों के आधार पर ज्ञात किया गया t का मान 0.104 है, जो 01 सार्थकता स्तर के सारणीमान 2.59 से कम है, अतः दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना-03 स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 04 प्रभावी कक्षा शिक्षण के संदर्भ में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों में सार्थक अंतर नहीं होगा।

सारणी क्रमांक – 04

समूह	df	N	M	Sd	t	0.1 सार्थकता पर सारणीयनमान
शासकीय		49	26.938	4.441		
अशासकीय	98	51	25.725	6.803	0.292	2.59

व्याख्या – उक्त मापों के आधार पर ज्ञात किया गया t का मान 0.292 है, जो 01 सार्थकता स्तर के सारणीमान 2.59 से कम है, अतः दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना-04 स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष (Conclusions) -

सांख्यिकी आधार पर जो निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं, वे निम्नानुसार हैं –

1. प्रशिक्षित शिक्षकों का अध्यापन, अप्रशिक्षत शिक्षकों के कक्षा अध्यापन से अधिक प्रभावशाली पाया गया।
2. गृह विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों में प्रभावशाली कक्षा शिक्षण के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
3. पुरुष एवं महिला शिक्षकों के कक्षाध्यापन में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
4. शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के कक्षाध्यापन में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

सुझाव (Suggestions)

1. प्रशिक्षित शिक्षकों की शिक्षण दक्षता को बनाये रखने के लिए प्रशिक्षण के बाद भी निरंतर अनुवर्ती कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।
2. शिक्षकों के लिए समय-समय पर गोष्ठियाँ, कार्यशालाओं एवं उन्मुखीकरण आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए।
3. शिक्षकों को समय-समय पर उत्तम कार्य हेतु प्रशंसा, पुरस्कार आदि के द्वारा प्रोत्साहित भी किया जाना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ (References) -

1. मोहन के. (1980) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता II Survey of Research in Education page no. 822
2. मुथा, डी.एन. (1980) प्रभावी शिक्षकों की अभिवृत्ति एवं व्यक्ति का अध्ययन II Survey of Research in Education page no. 822
3. सिंह हरमिंदर 1989 फ्लैडर की अंतक्रिया विश्लेषण तकनीकी द्वारा सेवारत शिक्षकों के कक्षागत व्यवहार पर प्रशिक्षण के प्रभाव का अध्ययन V Survey of Research in Education vol.II page no. 1487
4. सिंह, आर.एस. (1987) उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रभावशीलता व उससे संबंधित अन्य तत्वों का अध्ययन V Survey of Research in Education vol.II page no. 1487